

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
राचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड गोपेश्वर चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 16 नवम्बर, 2009

विषय: उत्तराखण्ड राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्रपोषित)।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1750/नि०/आर०पी०-बजट/2009-10 दिनांक 22 सितम्बर, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में उत्तराखण्ड राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्रपोषित) के अन्तर्गत कुल रूपया 5.00 लाख (रूपया पाँच लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर प्रादिष्ट किए जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रु० में)		
क्र०सं०	मद का नाम	जारी स्वीकृति
1	04- यात्रा व्यय	1.00
2	08-कार्यालय व्यय	1.00
4	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	2.00
5	42-अन्य व्यय	1.00
योग		5.00
(रूपया पाँच लाख मात्र)		

- (1) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय संबंधी शासनादेशों एवं शारान द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए किया जायेगा तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व कार्य योजना की एक प्रति शासन को उपलब्ध करायी जायेगी तथा भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार ही धनराशि ही व्यय की जायेगी।
- (2) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में शासन एवं भारत सरकार को यथा समय उपलब्ध कराया जायेगा।

(3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

(4) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा संबंधी सेवायें तथा पशुस्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0103-उत्तराखण्ड राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्रपोषित) के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-265(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 11 नवम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव

संख्या: 3249 (1)/XV-1/2009 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी देहरादून।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
9. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव